



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52]

नई बिल्ली, बृद्धवार, फरवरी 16, 1983/माघ 27, 1904

No. 52] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 16, 1983/MAGHA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे किंवद्दन उपलब्ध संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

संघार मंत्रालय

(इक-सार बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1983

सं० का० नि० 86(अ).—केन्द्रीय भारतीय तार अधि-
नियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 हारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने
के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संधिष्ठन नाम भारतीय तार संशोधन
नियम, 1983 है।

(2) ये 1-3-83 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम यहां गया है) नियम 443 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

“443 सदाय में व्यापक—यदि, नियम तारीख को या उसमें
पहले, वा यह टेलीफोन सेवा की वावत किया जाए या अन्य प्रभारों
का उपभोक्ता द्वारा इन नियमों के अनुसार सदाय नहीं किया
जाता है या कालों (स्थानीय और दूर) या फोनतारों की वावत
प्रभाग के बिलों का या उपभोक्ता से अन्य शोध्य धन या उसके
द्वारा सम्बन्ध से संबाय नहीं किया जाता है तो उसके द्वारा
विराग पर नियम गया टेलीफोन या लिए गए टेलीफोन या नीं

गई कोई अन्य टेलेक्स सेवा को बिना सूचना ये काठा जा सकेगा।
इस प्रकार याटे गए टेलीफोन या टेलेक्स को, यदि
तार प्राधिकारी ठीक समझे तो, पुनः बालू किया जा सकेगा यदि
व्यापकमी उपभोक्ता बकाया शोध्य धन और पुनः करेगा फोस
नथा मध्यवर्ती अवधि के ऐसे भाग ये किया जाए (जिसके द्वारा उन
टेलीफोन या टेलेक्स का द्वारा रहा) जो तार प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित
पर विहित किया जाए, सदाय कर देता है। उपभोक्ता,
उपभोक्ता सभी प्रभारों का ऐसी अवधि के भीतर संदाय करेगा जो
तार प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित पर विहित की जाए।”

(3) इकत नियमों के नियम 511 वे उपनियम (3) के स्थान पर
निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) यदि, नियत कारोबर को या उससे पहले, वो यह टेलेक्स
सेवा की वावत किया या अन्य प्रभारों का उपभोक्ता द्वारा इन नियमों
के अनुसार सदाय नहीं किया जाता है या कालों (स्थानीय, राष्ट्रीय और
अनराष्ट्रीय) की वावत प्रभारों के बिलों का या उपभोक्ता से अन्य शोध्य
धन या उसके द्वारा सम्बन्ध से संबाय नहीं किया जाता है तो उसके
द्वारा कियाए पर लिए गए किसी टेलेक्स या टेलीफोन को
यिन सूचना के काठा जा सकेगा। इस प्रकार काटे गए टेलेक्स या
टेलीफोनों को, यदि तार प्राधिकारी ठीक समझे तो, पुनः बालू किया जा
सकेगा यदि व्यापकमी उपभोक्ता बकाया शोध्य धन और पुनः करेगा फोस
नथा मध्यवर्ती अवधि के ऐसे भाग से किया जाए (जिसके द्वारा
टेलेक्स का द्वारा रहे) जो तार प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित पर
विहित किया जाए, सदाय कर देता है। उपभोक्ता उपराक्त सभी

प्रभारी का ऐसी अवधि के भीतर संवाय करेगा जो तार प्राविहारी द्वारा समय-समय पर विहित की जाए।"

[2-37/82-TR]

के० थोमस कोरा, सरस्व (टो०य०)
डाक-तार बोर्ड, नई दिल्ली-१

टिप्पणी— ६-११-७८ तक संशोधित डाक-तार नियम पुस्तक खंड एक (विद्यार्थी अधिनियम भाग-स०) के प्रकाशन के पश्चात नियमित्याकृत प्रमुख अधिसूचनाएँ उपरोक्त नियमों में संक्षेपन के लिए जारी की गई हैं; अर्थात्—

१. सा०का०नि०	संख्या	१७८	दिनांक	०३-०२-७९
२. सा०का०नि०	संख्या	२८७	दिनांक	१७-०२-७९
३. सा०का०नि०	संख्या	४५८	दिनांक	२४-०३-७९
४. सा०का०नि०	संख्या	४९५	दिनांक	३१-०३-७९
५. सा०का०नि०	संख्या	३१५(ई)	दिनांक	१८-०५-७९
६. सा०का०नि०	संख्या	८७२	दिनांक	१६-०६-७९
७. सा०का०नि०	संख्या	१५०८	दिनांक	१५-१२-७९
८. सा०का०नि०	संख्या	१३२	दिनांक	१९-०१-८०
९. सा०का०नि०	संख्या	१९६	दिनांक	१६-०२-८०
१०. सा०का०नि०	संख्या	४७६(ई)	दिनांक	१६-०८-८०
११. सा०का०नि०	संख्या	४९२(ई)	दिनांक	२७-०८-८०
१२. सा०का०नि०	संख्या	५४९(ई)	दिनांक	२५-०९-८०
१३. सा०का०नि०	संख्या	१२१८	दिनांक	१५-११-८०
१४. सा०का०नि०	संख्या	५९(ई)	दिनांक	१२-०२-८१
१५. सा०का०नि०	संख्या	३८८(ई)	दिनांक	०९-०६-८१
१६. सा०का०नि०	संख्या	३९१(ई)	दिनांक	११-०६-८१
१७. सा०का०नि०	संख्या	४४३(ई)	दिनांक	२०-०७-८१
१८. सा०का०नि०	संख्या	७४४	दिनांक	२८-०७-८१
१९. सा०का०नि०	संख्या	९२०	दिनांक	१०-१०-८१
२०. सा०का०नि०	संख्या	११०६	दिनांक	१२-१२-८१
२१. सा०का०नि०	संख्या	११४१	दिनांक	१९-१२-८१
२२. सा०का०नि०	संख्या	११४२	दिनांक	१९-१२-८१
२३. सा०का०नि०	संख्या	५८(ई)	दिनांक	११-०२-८२
२४. सा०का०नि०	संख्या	३५२(ई)	दिनांक	२४-०४-८२
२५. सा०का०नि०	संख्या	७४४(ई)	दिनांक	०९-१२-८२

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts & Telegraphs Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1983

G.S.R. 86(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

- (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Amendment) Rules, 1983.
- (2) They shall come into force on the 1st of March 1983.
2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 443, the following shall be substituted namely:—

"443. Default of payment:—If, on or before the due date, the rent or other charges in respect of the telephone service provided are not paid by the subscriber in accordance with these rules, or bills for charges in respect of calls (local and trunk) or telegram, or other dues from the subscriber

are not duly paid by him, any telephone or telephones or any telex service rented by him may be disconnected without notice. The telephone or telephones or the telex so disconnected may, if the Telegraph Authority thinks fit, be restored, if the defaulting subscriber pays the outstanding dues and the reconnection fee together with the rental for such portion of the intervening period (during which the telephone or telex remain disconnected) as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time. The subscriber shall pay all the above charges within such period as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time."

3. In rule 511 of the said rules, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(3) If on or before the due date, the rent or other charges in respect of telex service provided are not paid by the subscriber in accordance with these rules, or bills for charges in respect of calls (local, national and international), or other dues from the subscriber are not duly paid by him, any telex or telephone or telephones rented by him may be disconnected without notice. The telex or telephones so disconnected may, if the Telegraph Authority thinks fit, be restored if the defaulting subscriber pays the outstanding dues and the reconnection fee together with the rental for such portion of the intervening period (during which the telex or telephones remain disconnected) as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time. The subscriber shall pay all the above charges within such period as may be prescribed by the Telegraph Authority from time to time."

[2-37/82-TR]
K. THOMAS KORA, Member (T.O.)

P. & T. Board, New Delhi-1

Note:—The following principal Notifications after publication of P & T Manual Volume I (Legislative Enactments—Part II) corrected upto 1-11-78 amending the said rules have been issued, namely :—

- (1) G.S.R. No. 178 Dated 03-02-79
- (2) G.S.R. No. 287 Dated 17-02-79
- (3) G.S.R. No. 458 Dated 24-03-79
- (4) G.S.R. No. 495 Dated 31-03-79
- (5) G.S.R. No. 315(E) Dated 18-05-79
- (6) G.S.R. No. 872 Dated 16-06-79
- (7) G.S.R. No. 1508 Dated 15-12-79
- (8) G.S.R. No. 132 Dated 19-01-80
- (9) G.S.R. No. 196 Dated 16-02-80
- (10) G.S.R. No. 476(E) Dated 16-08-80
- (11) G.S.R. No. 492 (E) Dated 27-08-80
- (12) G.S.R. No. 549(E) Dated 25-09-80
- (13) G.S.R. No. 1218 Dated 15-11-80
- (14) G.S.R. No. 59(E) Dated 12-02-81
- (15) G.S.R. No. 388(E) Dated 09-06-81
- (16) G.S.R. No. 391(E) Dated 11-06-81
- (17) G.S.R. No. 443(E) Dated 20-07-81
- (18) G.S.R. No. 744 Dated 28-07-81
- (19) G.S.R. No. 920 Dated 10-10-81
- (20) G.S.R. No. 1106 Dated 12-12-81
- (21) G.S.R. No. 1141 Dated 19-12-81
- (22) G.S.R. No. 1142 Dated 19-12-81
- (23) G.S.R. No. 58(E) Dated 11-02-82
- (24) G.S.R. No. 352(E) Dated 24-04-82
- (25) G.S.R. No. 744(E) Dated 09-12-82